RESEARCH PAPERS IN NATIONAL/INTERNATIONAL PEER REVIEWED JOURNAL/ CONFERENCE PROCEEDINGS

YEAR : 2019-20

Peer Reviewed
ISSN (P) : 2321-290X (E) 2349-980X
RNI No. : UPBIL/2013/55327
Srinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika
Peer Reviewed / Refereed Journal
VOL-7* ISSUE-6* February- 2020
Indexed with
Google scholar
Impact Factor
SJIF = 5.921 (2018)
GIF = 0.543 (2015)
IIJIF = 6.038 (2018)
The Research Series
द्विभाषीय - मासिक
Shrinkhala
शृंखला
A Multi-Disciplinary International Journal
UGC

Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111

Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in

https://www.govtcollegebichhua.org, https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109

Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956

Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

P: ISSN NO.: 2321-290X
E: ISSN NO.: 2349-980X
RNI : UPBIL/2013/55327
VOL-7* ISSUE-6* February- 2020
Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika

Contents

S.No.	Particular	Subject	Page No.	
			From	To
1.	**Crusade against Corruption: The Impact of Anna Hazare Movement** Rohit Kumar Swami, Jaipur, Rajasthan, India	Political science	E-01	E-07
2.	आरक्षण की वास्तविकता : एक चिकित्सकीय अध्ययन **The Reality of Reservation: An Analytical Study** आर. जी.बाम्बोडे, मोर्शी, अमरावती, महाराष्ट्र, भारत	राजनीति विज्ञान	H-01	H-06
3.	महात्मा गाँधी का समाजवादी चिन्तन **Mahatma Gandhi's Socialist Thinking** अनुपम मित्र, रज़ा नगर, स्वार, रामपुर, उ0प्र0, भारत	इतिहास	H-07	H-09
4.	कोटा जिले के माध्यमिक स्तर पर अनुत्तीर्ण रहने वाले विद्यार्थियों की बुद्धिलब्धि तथा पारिवारिक वातावरण का तुलनात्मक अध्ययन **Comparative Study of Inteliigence Quotient and Family Environment of Students who failed at Secondary level of Kota District** सुरेश चन्द्र गालव एवम् अनामिका राठौर, कोटा, राजस्थान, भारत	शिक्षक–प्रशिक्षण	H-10	H-15
5.	बालिकाओं की उच्च प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण का अध्ययन (नवलगढ़ तहसील के संदर्भ में एक भौगोलिक अध्ययन) **Study of Universalization of Upper Primary Education of Girls (A Geographical Study With Reference To Nawalgarh Tehsil)** प्रियंका, अजमेर, राजस्थान, भारत	भूगोल	H-16	H-19
6.	आधुनिक परिप्रेक्ष्य में कबीर **Sant Kabir in Present Scenario** भरतलाल मीणा, जयपुर, राजस्थान, भारत	इतिहास एवं संस्कृति	H-20	H-26
7.	स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं के बीच शिक्षा एवं कानूनी जागरूकता का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (छिंदवाड़ा जिले के विशेष संदर्भ में) **A Sociological Study of Education and Legal Awareness among Undergraduate and Graduate Students (With Special Reference to Chhindwara District)** फरहत मंसूरी, बिछुआ, छिंदवाड़ा, म.प्र., भारत	समाजशास्त्र	H-27	H-31
8.	भारत में फैशन का इतिहास : परिधान के विशेष सन्दर्भ में **History of Fashion in India: With Special Reference to Apparel** शालिनी आल्हा, श्रीगंगानगर, राजस्थान, भारत	कालेज शिक्षा	H-32	H-34
9.	गांधीय राजदर्शनः तत्वमीमांसीय अध्ययन **Gandhian Political Philosophy : A Metaphysical Study** सविता शर्मा, चिमनपुरा, शाहपुरा, जयपुर, राजस्थान, भारत	राजनीति विज्ञान	H-35	H-37
10.	देवली तहसील में कार्यात्मक संबद्धता का विश्लेषणात्मक अध्ययन **Analytical Study of Functional Connectivity in Deoli Tehsil** जुबेर खान एवम् निकिता मंगल, बूंदी, राजस्थान, भारत	भूगोल	H-38	H-41
11.	भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं प्रमुख संवैधानिक संशोधन : एक अध्ययन **Social Change and Major Constitutional Amendments in India: A Study** मुकेश कुमार वर्मा, जयपुर, राजस्थान, भारत	राजनीति विज्ञान	H-41	H-48

P: ISSN NO.: 2321-290X
E: ISSN NO.: 2349-980X
RNI : UPBIL/2013/55327
VOL-7* ISSUE-6* February- 2020
Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika

स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं के बीच शिक्षा एवं कानूनी जागरूकता का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (छिंदवाड़ा जिले के विशेष संदर्भ में)

A Sociological Study of Education and Legal Awareness among Undergraduate and Graduate Students (With Special Reference to Chhindwara District)

फरहत मंसूरी
सहायक प्राध्यापक,
समाजशास्त्र विभाग,
शासकीय महाविद्यालय,
बिछुआ, छिंदवाड़ा, म.प्र., भारत

सारांश (Abstract)

प्रस्तुत शोध पत्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं के बीच शिक्षा एवं कानूनी जागरूकता का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (छिंदवाड़ा जिले के विशेष संदर्भ में) किया गया है। छात्राओं के सर्वांगीण विकास में शासकीय योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसके परिणामस्वरूप महिलाओं के जीवन स्तर में वृद्धि देखी गई है। महिलायें अब पुरूषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं, शासन से लाभान्वित छात्राओं के कारण अन्य छात्राओं में भी जागरूकता आ रही है।

छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें निःशुल्क पुस्तकें, नौकरियों में आरक्षण एवं शिक्षा हेतु बैंकों से ऋण भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा छात्राओं के कौशल विकास के लिए अनेक व्यवसायिक पाठ्यक्रमों को संचालित किया जा रहा है। सरकारी सुविधाओं के कारण सामाजिक, पारिवारिक मानसिकता में परिवर्तन आया है। साथ ही छात्रायें शिक्षा एवं कानून के प्रति जागरूक हुई हैं।

In the research paper presented, a sociological study of education and legal awareness among undergraduate and postgraduate students (with special reference to Chhindwara district) has been done. Government schemes have an important role in the all-round development of female students, as a result of which the standard of living of women has increased. Women are now walking step by step with men, awareness among other girls is also coming due to the students benefiting from the government.

Free books, reservation in jobs and loans from banks are also being provided to the girls for all round development and many professional courses are being conducted for skill development of the girl students. The social, family mentality has changed due to government facilities. Also, students have become aware of education and law.

मुख्य शब्द : शिक्षा, सामाजिक, पारिवारिक, पाठ्यक्रम, उच्च शिक्षा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर।

Keywords : Education, Social, Family, Curriculum, Higher Education, Graduate and Post Graduate

प्रस्तावना

शोध पत्र में छात्राओं से महिला कानून के प्रति जागरूकता का भी अध्ययन किया गया है। इस विषय में छात्राओं से साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया गया है। भारत जैसे विकासशील देशों में महिला शोषण की प्रकृति के कारण महिलाओं को समाज में दोयम दर्जा प्राप्त होना एक दूषित मानसिकता है, जिसके कारण महिलायें समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त करने में असफल रहती है। अतः महिलाओं को शोषण से बचाने एवं उनकी स्थितियों को ऊँचा उठाने के लिए नये कानून बनाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि सोच बदलने की एवं समाज में जागरूकता लाने की आवश्यकता है।

शोध का क्षेत्र एवं अध्ययन पद्धति

प्रस्तुत शोधपत्र में अध्ययन से संबंधित तथ्यों को एकत्र करने के लिए छिंदवाड़ा जिले के 14 शासकीय एवं 19 अशासकीय महाविद्यालयों में से छात्राओं की संख्या के आधार पर 6 महाविद्यालयों का चुनाव मेरिट के आधार पर किया गया है। मेरे द्वारा अध्ययन से संबंधित तथ्यों को एकत्र करने के लिए 300 उत्तरदाताओं का चयन स्तरीकृत दैव निदर्शन पद्धति के द्वारा किया गया है।

By- Farhat Mansoori

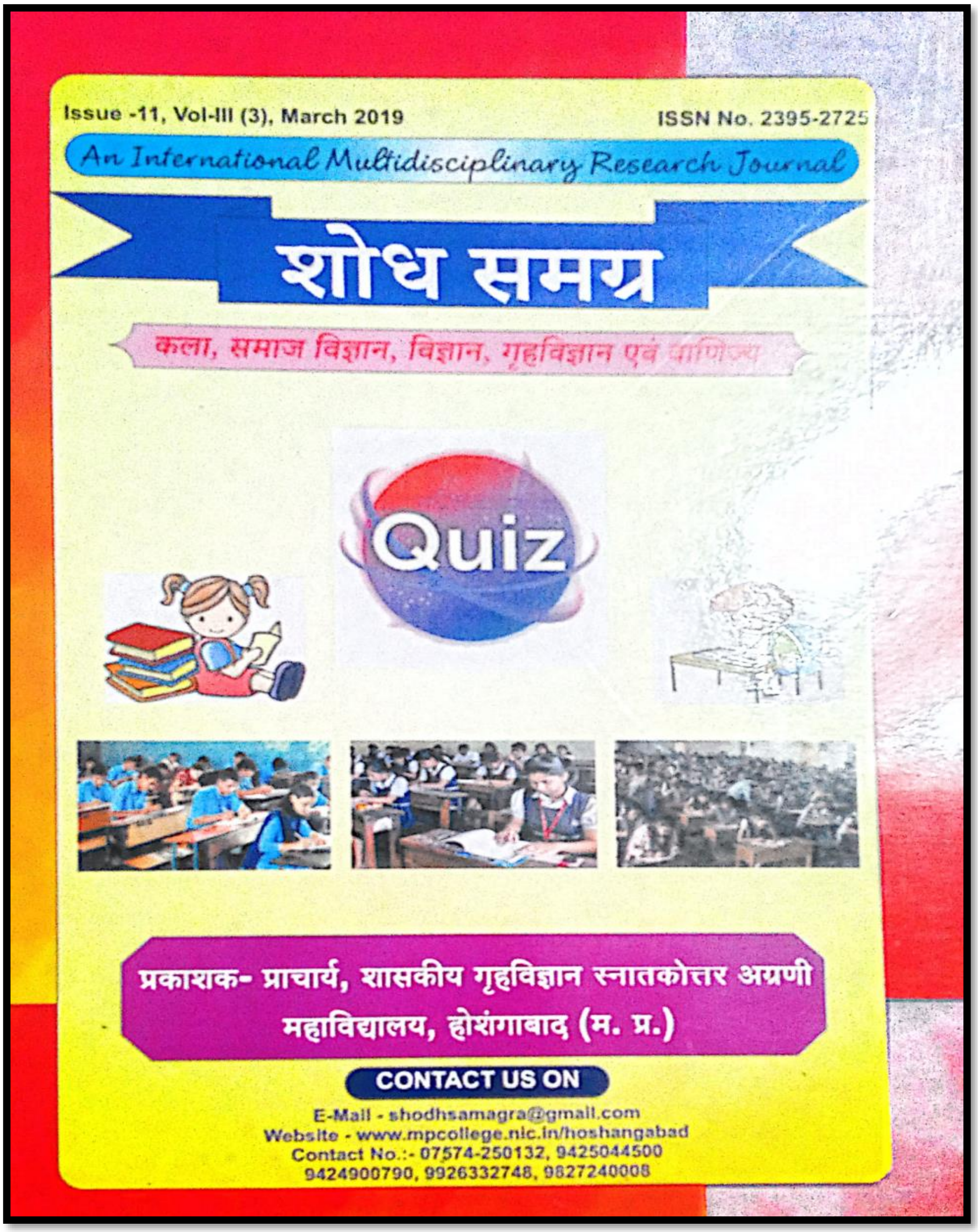

Issue -11, Vol-III (3), March 2019
ISSN No. 2395-2725
An International Multidisciplinary Research Journal
शोध समग्र
कला, समाज विज्ञान, विज्ञान, गृहविज्ञान एवं वाणिज्य
Quiz
प्रकाशक- प्राचार्य, शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय, होशंगाबाद (म. प्र.)
CONTACT US ON
E-Mail - shodhsamagra@gmail.com
Website - www.mpcollege.nic.in/hoshangabad
Contact No.:- 07574-250132, 9425044500
9424900790, 9926332748, 9827240008

RESEARCH JOURNAL-SHODH SAMAGRA (ISSN 2395-2725), ISSUE –11, VOL.-III(3), March, 2019

अनुक्रमणिका..............

स.क्र	नाम	शीर्षक	पृ.क्र.
1	डॉ श्रीमती कामिनी जैन	मानव अंग तस्करी एक चिंतनीय पहलू	01
2	डॉ पी आर मानकर	इंटरनेट बैंकिंग	03
3	डॉ श्रीमती कंचन ठाकुर	भारिया जनजाति के राजनीतिक संगठन में आधुनिक ग्राम पंचायतों..	06
4	डॉ श्रीकांत दुबे	भारत में चुनाव सुधारों की अवधारणा	08
5	डॉ विनीता मौर्या	ग्रामीण महिला विकास में जनसंचार माध्यमों की भूमिका	12
6	डॉ श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, प्रमिला चौधरी	भारत में बेरोजगार युवक एवं स्टार्टअप इंडिया योजना	15
7	डॉ श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, अंकिता मोहिया	आधुनिक युग में संचार का बदलता स्वरूप	20
8	डॉ श्रीमती किरण पवारे	संगीत का मनोवैज्ञानिक प्रभाव	23
9	डॉ श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव,ज्योति गुप्ता,आमरा	संगीत और मानव देह का सहसंबंध	26
10	Dr. Tayaba Khatoon	Turning Tears to Power-Trafficking of Gorls From	30
11	Sutapa Dutta	Music Therapy in Medical Science	32
12	Dr. Manjeet Kaur Arora,Dr. Umesh Dhurve	Conservation of natural Resources	35
13	Sarvesh Kumar,Jagriti Borkar , Sandhya Mure , RC Sharma	Explication of Social Temperament Towards Human Trafficking a --	41
14	डॉ सीमा श्रीवास्तव	मानव तस्करी के कारण एवं समाधान	44
15	Akshat Mainde	Portrayal of Human Trafficking in Indian Cinema	47
16	डॉ अनुपमा कुजूर	मानव तस्करी के कारण एवं समाधान	50
17	डॉ दुर्गेश शांडिल्य	मानव तस्करी महिलाएँ एवं बच्चे	52
18	Mohammad Shoev	Verbal ,Physical & Sexual abuse affects Psychological well being of -	56
19	Dr. Neeta Choubey	Human Trafficking & Society	61
20	डॉ सुशीला गायकवाड़	कन्या भ्रूण हत्या बनाम मानव तस्करी	65
21	डॉ मोनू सिंह	मानव तस्करी एक गम्भीर समस्या	69
22	डॉ श्रीमती मीना कौर	वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मानव तस्करी के कारण एवं समाधान	71
23	डॉ आशीष बिल्लोरे , डॉ ज्योति जुनगरे	मानव तस्करी: देश में व्यापक पैमाने पर पसरा अपराध	75
24	डॉ निधी ठाकुर	मानव तस्करी का विकृत स्वरूप – वेश्यावृत्ति	78
25	Nivedita Ganawa	Human Trafficking : Preventive Measures	80
26	डॉ बिन्दु महावर	बाल तस्करी के कारण एवं समाधान	82
27	अंजली दीक्षित	संगीत का चिकित्सा क्षेत्र में महत्व	84
28	Dr. Kalpana Jha	Causes & Solution of Human Trafficking	87
29	Prof. Brijendra Rawat	Solar Technologies	89
30	Dr. Preeti Anand Udaipure	Human Trafficking An Overview	91
31	डॉ श्रीमती कृष्णा राठौर	मानव तस्करी के कारण एवं समाधान	93
32	Abhilasha Bajpai,Dr.R Mehra,Dr.Alka Pandey	Etho-botanical study of some sacred natural sites of Betul district of --	95
33	खुशबू शेख	मानव तस्करी: कारण एवं कानूनी प्रावधान	101
34	Dr. Sarla	Human Trafficking in India	104
35	Dr. Aneeta Sahu	Algal Biodiversity & Its Conservation	106
36	Dr. Ira Verma	Traditional Method and conservation of Natural Resource	110
37	Dr. Ira Verma	Human Trafficking and Media	111
38	श्रीमती आरती दुबे	मानव तस्करी तथा संवैधानिक प्रावधान	112
39	श्रीमती गीता मेहरा,डॉ अर्चना गुजरे	मानव तस्करी और समाज	113
40	फरहत मंसूरी , डॉ अर्चना गौर	स्नातक एवं स्नातकोत्तर की छात्राओं में बढ़ते अपराध,कानूनी प्रावधान..	115
41	डॉ श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, प्रमिला चौधरी	सुशिक्षित बेरोजगारों की शैक्षणिक एवं सामाजिक समस्याओं एवं दूर करने.	117
42	Ku. Charu Tiwari, Dr. Vipin Vyas	Roll of Macorinvertbrates as a Bioindicator	119
43	Dr. Arun Sikarwar , Dr. Vaishali Lal	Effect of Fertilizer on soil & Human Health	122
44	अर्चना गौर , बबीता मोहाले	मानव तस्करी और समाज	125
45	Smt. Seema Nema	A Human Life Is Not An Object	129
46	नरेन्द्र कुमार दिवाकर	मानव तस्करी के रोकथाम और निवारण हेतु विधिक और संवैधानिक उपाय	133
47	Dr. Shrikant Dubey	Political Development and E-Governance	141
48	डॉ वर्षा चौधरी	मानव तस्करी एवं कानून	143

RESEARCH JOURNAL-SHODH SAMAGRA (ISSN 2395-2725), ISSUE -11, VOL.-III(3) ,March, 2019

स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं में बढ़ते अपराध, कानूनी प्रावधान और मानव तस्करी के प्रति जागरूकता का एक समाजशास्त्रीय अध्यन

कु.फरहत मंसूरी *, डॉ. अर्चना गौर

प्रस्तावना – नशीली दवाओं और हथियारों के कारोबार के बाद मानव तस्करी विश्व भर में तीसरा सबसे बड़ा संगठित अपराध है।

संयुक्त राष्ट्र की परिभाषा के अनुसार किसी व्यक्ति को डराकर, बल प्रयोग कर या दोषपूर्ण तरीके से भर्ती, परिवहन या शरण में रखने की गतिविधि तस्करी की श्रेणी में आती है। दुनिया भर में 80 प्रतिशत से ज्यादा मानव तस्करी यौन शोषण के लिए की जाती है और बाकी बंधुआ मजदूरी के लिए। भारत को एशिया में मानव तस्करी का गढ़ माना जाता है। सरकार के आंकड़ों के अनुसार हमारे देश में हर 8 मिनट में एक बच्चा लापता हो जाता है। सन् 2011 में लगभग 35000 बच्चों की गुमशुदगी दर्ज हुई जिसमें से 11000 से ज्यादा तो सिर्फ पश्चिम बंगाल से थे। इसके अलावा यह माना जाता है कि कुल मामलों में से केवल 30 प्रतिशत मामले ही रिपोर्ट किए गए और वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक है।

प्रस्तुत शोध पत्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं में बढ़ते अपराध, कानूनी प्रावधान और मानव तस्करी के प्रति जागरूकता का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन किया गया है। भारत की प्रमुख समस्याओं में एक गंभीर समस्या मानव तस्करी जिसमें महिलाओं एवं बच्चों का प्रतिशत अधिक है।

उद्देश्य :–

1. मानव तस्करी का अर्थ।
2. मानव तस्करी के बढ़ते अपराधों की जानकारी प्राप्त करना।
3. भारत में मानव तस्करी बढ़ने के कारणों की जानकारी प्राप्त करना।
4. मानव तस्करी के कानूनी प्रावधान।

मानव तस्करी में किसी व्यक्ति को डराकर, बल प्रयोग कर या दोषपूर्ण तरीके से भर्ती, परिवहन या शरण में रखने की गतिविधि तस्करी की श्रेणी में आती है। मानव तस्करी की सर्वाधिक शिकार महिलायें एवं बच्चे होते हैं। मानव तस्करी तो घर के अंदर भी हो जाती है। महिला को उसकी मर्जी के बगैर घर में कैद करना या अपने फायदे के लिए महिला का प्रयोग करना भी मानव तस्करी में आता है। अपना व्यापार फैलाने या नौकरी में प्रमोशन के लिए पति के द्वारा महिला यानी पत्नी को अपने बॉस के पास भेजना भी मानव तस्करी है। महिलाओं को अनैतिक व्यापार करने के लिए बाध्य करना, महिलाओं को शादी का प्रलोभन देकर या शादी करने के बाद बेच देना सभी कृत्य मानव तस्करी में आते हैं।

न सपनों की ये दुनिया है, न ख्वाबों का आसमान,
अंधे है तमाम रास्ते यहां, अंधा है ये जहां .....
रूह को बेचकर हर बात होती है यहां इशारों में,
जिस्मों को खरीदा जाता है मात्र चंद हजारों में।
किससे शिकवा करें, किससे गिला,
कुछ अजीब से है इन गलियों के निशान...
रिश्ते ढूंढने पड़ते हैं जहां इश्तेहारों में,
इंसान भी बिकते हैं यहां बाजारों में....

नेशनल क्राइम रिकॉर्डस् ब्यूरो के नए आंकड़ों के अनुसार तस्करी में मानव तस्करी सबसे बड़ा अपराध है जो पिछले 10 सालों में 14 गुना बढ़ा है और 2014 में 65 प्रतिशत बढ़ा है। लड़कियां और महिलायें तस्करी के निशाने पर रहती है जो पिछले 10 सालों में देशभर के मानव तस्करी केसेस का 76 प्रतिशत है।

मानव तस्करी के अंतर्गत ही अन्य जो केसेस रजिस्टर होते हैं, उनमें वेश्यावृत्ति के लिए लड़कियों को बेचना, विदेशों से लड़कियों को खरीदना और वेश्यावृत्ति के लिए लड़कियों की खरीद फरोख्त-आते हैं।

वर्तमान समय में भारत में 5 राज्य मानव तस्करी के मुख्य स्त्रोत हैं। इसमें तमिलनाडु 9701 केसेस के साथ सबसे ऊपर है। उसके बाद 5861 केसेस के साथ आंध्रप्रदेश, 5443 केसेस के साथ कर्नाटक, 4190 केसेस के साथ पश्चिम बंगाल और 3628 केसेस के साथ महाराष्ट्र का नम्बर आता है। इन 5 राज्यों को मानव तस्करी का गढ़ कहा जाता है, जहां लड़कियों को रोड लाइट एरिया के लिए खरीदा व बेचा जाता है। 70 प्रतिशत मानव तस्करी के केसेस इन्हीं 5 राज्यों से आते हैं।यूएन की रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु युवा लड़कियों की तस्करी मुंबई व दिल्ली के लिए रेड लाइट इलाकों में करता है। वर्ष 2009 से लेकर 2014 के बीच मानव तस्करी के मामले में 92 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है।

*शोधार्थी (समाजशास्त्र), बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

By – Dr. Farhat Mansoori

Office of the Principal, Government College Bichhua Chhindwara (M.P.) 480111

Mobile: +91 9425425968, Email- hegcbicchh@mp.gov.in
https://www.govtcollegebichhua.org, https://www.highereducation.mp.gov.in/?orgid=109
Established on 21/09/1989, Recognized under 2 (f) & 12 (B) of the UGC Act, 1956
Affiliated to Raja Shankar Shah University, Chhindwara (M.P.) 480001

NSS Naveen Shodh Sansar (An International Refereed/ Peer Review Research Journal)
ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Impact Factor - 5.610 (2018) July To September 2019, Vol.1

(History / इतिहास)

18. होमरूल आंदोलन एवं उसका सतपुड़ांचल पर प्रभाव (डॉ. संकेत कुमार चौकसे) 51
19. मैडम भीकाजी कामा का भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान (डॉ. शिवा खण्डेलवाल) 54

(Sociology / समाजशास्त्र)

20. सूचना प्रौद्योगिकी से शिक्षा विभाग में कार्यरत महिलाओं का सशक्तिकरण (संपत राठौड) 58
21. स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं के बीच शिक्षा के प्रति जागरूकता का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (छिंदवाड़ा जिले के विशेष संदर्भ में) (डॉ. फरहत मंसूरी) 61

(Geography / भूगोल)

22. Analysis Of Ground Water Level And Rainfall Patterns In Upper Narmada Ba... (Vinay Raikwar) 63
23. समन्वित क्षेत्रीय विकास एवं नियोजन – जनपद सागर का प्रतीकात्मक अध्ययन (हरिदास अहि...) 67
24. आदिवासी बहुल्य क्षेत्र का विकासात्मक परिवर्तन (खरगोन जिले के विशेष सन्दर्भ में एक भौगोलि... ...ययन) (डॉ. आर. आर. गोरास्या, प्रो. सुरेश अवासे) 70
25. ग्वालियर संभाग के सन्दर्भ में पुरूष साक्षरता एवं महिला साक्षरता का तुलनात्मक कालिक विश्लेषण 2001-2011 (महिमा राठौड़) ... 74

(English Literature / अंग्रेजी साहित्य)

26. Resilient Women In The Works Of Amitav Ghosh (Dr. Sr. Hansa Paul) 75
27. The Rise Of Personal Essay In The Age Of Lamb (Dr. Jalaj Dixit) 78
28. Autobiographical Touch In The Work Of Shanta Bai Kamble (Anuradha Shrivastava) 80

(Hindi Literature / हिन्दी साहित्य)

29. मोहन राकेश के उपन्यासों में सामाजिक समस्याएं (डॉ. प्रणति बेहेरा) 83
30. अज्ञेय के सृजनात्मक साहित्य में स्वाधीनता के मूल्यों (आस्तिकता) के विविध आयाम (डॉ. अनुकूल सोलंकी) 88
31. कृष्णा अग्निहोत्री की कहानियों में स्त्री विमर्श–विविध सरोकार (राजश्री सेंगर, डॉ. चंदातलेरा जैन) 91
32. शिक्षा, व्यवस्था और प्रेमचन्द कृत 'बड़े भाईसाहब' (डॉ. जया प्रियदर्शिनी शुक्ल) 94
33. जयशंकर प्रसाद के नाटकों में गुप्तकालीन सामाजिक जीवन (डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव) 97
34. समकालीन कहानियों में यथार्थवाद के बहुआयामी स्वरूप (संगीता बघेल, डॉ. ज्योति सिंह) 100
35. साहित्यकार अमृतराय के 'जंगल' उपन्यास में जीवन मूल्य की अभिव्यक्ति का अध्ययन (डॉ. विनय कुमार सोनवानी) 103
36. मुक्तिबोध के काव्य में युगीन चेतना (डॉ. रंजना मिश्रा) 105
37. मुंशी प्रेमचंद के कथा साहित्य में नारी संघर्ष (डॉ. आशा शरण) 107

NSS Naveen Shodh Sansar (An International Refereed/ Peer Review Research Journal)
ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Impact Factor - 5.610 (2018) July To September 2019, Vol. I

स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं के बीच शिक्षा के प्रति जागरूकता का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (छिंदवाड़ा जिले के विशेष संदर्भ में)

डॉ. फरहत मंसूरी *

प्रस्तावना – प्रस्तुत शोध पत्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं के बीच शिक्षा के प्रति जागरूकता का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (छिंदवाड़ा जिले के विशेष संदर्भ में) किया गया है। छात्राओं के सर्वांगीण विकास में शासकीय योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसके परिणामस्वरूप महिलाओं के जीवन स्तर में वृद्धि देखी गई है। महिलाए अब पुरूषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं, शासन से लाभान्वित छात्राओं के कारण अन्य छात्राओं में भी जागरूकता आ रही है।

छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें नि:शुल्क पुस्तकें, नौकरियों में आरक्षण एवं शिक्षा हेतु बैंकों के माध्यम से ऋण भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा छात्राओं के कौशल विकास के लिए अनेक व्यवसायिक पाठ्यक्रमों को संचालित किया जा रहा है। सरकारी सुविधाओं के कारण सामाजिक, पारिवारिक मानसिकता में परिवर्तन आया है, साथ ही छात्राए शिक्षा के प्रति जागरूक हुई हैं।

शोध का क्षेत्र एवं अध्ययन पद्धति – प्रस्तुत शोध पत्र में अध्ययन से संबंधित तथ्यों को एकत्र करने के लिए छिंदवाड़ा जिले के 14 शासकीय एवं 10 अशासकीय महाविद्यालयों में से छात्राओं की संख्या के आधार पर 6 महाविद्यालयों का चुनाव मेरिट के आधार पर किया गया है। मेरे द्वारा अध्ययन से संबंधित तथ्यों को एकत्र करने के लिए 300 उत्तरदाताओं का चयन स्तरीकृत दैव निदर्शन पद्धति के द्वारा किया गया है।

शोध के उद्देश्य –

1. शिक्षा से तात्पर्य
2. स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की छात्राओं से शिक्षा के क्षेत्र में संकाय चुनाव की स्वतंत्रता की जानकारी प्राप्त करना
3. महाविद्यालय में पुस्तकालय का उपयोग करने वाली छात्राओं की जानकारी प्राप्त करना
4. शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य की जानकारी प्राप्त करना

शिक्षा का अर्थ है – 'व्यक्तित्व का संपूर्ण विकास' स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि 'अपनी इच्छा शक्ति और भावों को नियंत्रित कर लिया जाए और वह लाभदायक बन जाए तो वह शिक्षा है।' शिक्षा एक व्यक्ति का संपूर्ण विकास करती है, शिक्षा का अर्थ केवल विशेषज्ञ पैदा करना नहीं है बल्कि शिक्षा से नैतिक, सामाजिक और कलात्मक विकास के साथ-साथ विवेकशीलता भी बनती है। हम एक शिक्षित व्यक्ति से यह अपेक्षा करते हैं कि वह विवेकशील होकर उत्तरदायी एवं नैतिकतापूर्ण ढंग से व्यवहार करे।

तालिका क्रमांक 1 (देखे आगे पृष्ठ पर)

अध्ययन के दौरान पाया गया कि स्नातक स्तर पर 90 प्रतिशत छात्राओं तथा स्नातकोत्तर स्तर पर केवल 30 प्रतिशत छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए संकाय चुनाव की स्वतंत्रता प्राप्त है। … है, सामाजिक परंपराए, महिलाए शिक्षा ग्रहण करेंगी या नहीं … परिवार द्वारा लिया जाना, आर्थिक निर्भरता एवं आर्थिक … जनभागीदारी मद से चलने वाले संकाय पाठ्यक्रम में बाधक है।

तालिका क्रमांक 2 (देखे आगे पृष्ठ पर)

अध्ययन के दौरान पाया गया है कि महाविद्यालय में पुस्तकालय … नियमित उपयोग करने वाली छात्राए स्नातक स्तर पर 12 प्रतिशत … स्नातकोत्तर स्तर पर 15 प्रतिशत है। पुस्तक इशु कराने हेतु पुस्तकालय … उपयोग करने वाली छात्राए स्नातक स्तर पर 30 प्रतिशत एवं स्नातकोत्तर … स्तर में भी 30 प्रतिशत है। तालिका से स्पष्ट होता है कि स्नातक … 58 प्रतिशत एवं स्नातकोत्तर स्तर पर … प्रतिशत छात्राए पुस्तकालय … उपयोग नहीं करती हैं।

तालिका क्रमांक 3 (देखे आगे पृष्ठ …)

अध्ययन के दौरान पाया गया कि महाविद्यालय में स्नातक … 38 प्रतिशत छात्रायें एवं स्नातकोत्तर … की 45 प्रतिशत छात्राए … प्राप्त करने के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त … रही हैं एवं 15 प्रतिशत … स्नातक स्तर पर तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 20 प्रतिशत छात्राए … होकर स्वयं का व्यवसाय संचालित करना चाहती हैं। स्नातक स्तर … प्रतिशत एवं स्नातकोत्तर स्तर पर 15 प्रतिशत छात्राए उपाधि प्राप्त … लिए शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। स्नातक स्तर पर 20 प्रतिशत छात्राओं का … मानना है कि उच्च शिक्षा प्राप्त कर वे सशक्त हो जाएगी तथा स्नातकोत्तर … स्तर पर 15 प्रतिशत छात्राओं का मानना है कि उच्च शिक्षा … सशक्त हो रही हैं। स्नातक स्तर पर 7 प्रतिशत एवं स्नातकोत्तर … प्रतिशत छात्राए निरूत्तर रहीं। छात्राओं का कहना है कि हमें परिवार … है, तो हम पढ़ रहे हैं।

निष्कर्ष – प्रस्तुत शोध पत्र से स्पष्ट होता है कि शिक्षा समाज का … शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे समाज की उन्नति संभव है। समाज की … आधी आबादी महिलाओं की है। अगर महिला शिक्षित होगी तो … समाज और देश शिक्षित होगा क्योंकि किसी भी बच्चे की प्रथम … उसका परिवार और शिक्षिका उसकी माँ होती है। इस बात से स्पष्ट … कि महिलाओं का शिक्षित होना कितना जरूरी है। ऐसा ही कुछ … शोध-पत्र से निकल कर सामने आया है। महाविद्यालय की छात्राओं … बात को माना है कि शिक्षा से आत्मविश्वास पैदा होता है, सोच … बढ़ता है यह इस बात से स्पष्ट है कि महिलाओं को लेकर जो रूढ़ि … में व्याप्त थी उसे समाप्त करने में शिक्षा सहायक सिद्ध हुई है। … दहेज प्रथा जैसी रूढ़ियों को शिक्षा रूपी तलवार ने ही मारा है। …

* अतिथि विद्वान (समाजशास्त्र) शासकीय महाविद्यालय, बिछुआ, जिला – छिंदवाड़ा (म.प्र.) भारत

By – Dr. Farhat Mansoori